PRINCE ACADEMY
OF HIGHER EDUCATION
[Co-edu. Sr. Sec. School, Affiliated to CBSE, Affiliation No. - 1730387]

Palwas Road, Near Jaipur - Bikaner Bypass Crossing, SIKAR - 332001 (Raj.) INDIA
Mob. : 9610-75-2222, 9610-76-2222
www.princeeduhub.com | E-mail : princeacademy31@gmail.com

SAMPLE PAPER (2024-25)

CLASS - X

HINDI COURSE A (002)

Time : 03.00 Hours | **M. M. : 80**

सामान्य निर्देश :–

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

1. इस प्रश्नपत्र में कुल 11 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं – अ, ब, स, द
3. खंड 'अ' में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
4. खंड 'ब' में कुल प्रश्न 2 हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'स' में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 22 है।
6. खंड 'द' में कुल 2 प्रश्न है, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
7. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खण्ड – अ (अपठित बोध)

वस्तुपरक / बहुविकल्पीय प्रश्न

I. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रेमचंद जी पढ़ने–लिखने का सारा काम रात को करते थे। तंदुरुस्ती बीच–बीच में टूट जाती थी, दवा–दारु के लिए शिवरानी रुपए देती, तो वे उस रकम को भी प्रेस में खर्च कर डालते, फिर वैद्यों और हकीमों से सस्ती दवाएँ लेते रहते। आराम बिलकुल नहीं करते थे। पूरी नींद सोते नहीं थे। खाना भी मामूली किस्म का खाते। आगे चलकर उनकी दशा कुछ बदली जरूर, मगर प्रेमचंद का परिश्रम और भी बढ़ गया। उनका जीवन ऐसा दीप था, जिसकी लौ मद्धिम नहीं, तेज प्रकाश देने को मजबूर थी। पर उस दीप में कभी पूरा–पूरा तेल नहीं डाला गया। लौ हमेशा बत्ती के रेशे को ही जलाती रही। उनकी बेचैनी इसीलिए थी कि वे चाहते थे कि जीवन–दीप का प्रकाश दूर–दूर तक फैले, वक्त पर फैले, अच्छी तरह फैले। अपनी सारी किताबें, अपना सारा साहित्य, अपने प्रेस में ही छपवाकर समूचे देश में फैला देना चाहते थे। किसानों, मजदूरों, युवकों, विद्यार्थियों, स्त्रियों और अछूतों की दर्दनांक जिंदगी को आधार बनाकर जो कुछ भी लिखें, सभी कुछ छापकर जनता को सजग–सचेत बना लेने का संकल्प प्रेमचंद के अंदर हिलोरें ले रहा था। अधिक–से–अधिक लिखते जाना, अधिक–से–अधिक छापते जाना, अधिक–से–अधिक लोगों को जागरूक बनाते जाना..... शोषण, गुलामी, ढोंग स्वार्थ, रूढ़ि, अन्याय, अत्याचार इन सबकी जड़े खोद डालना और धरती को नई मानवता के लायक बनाना– यही प्रेमचंद का उद्देश्य था।

1. प्रेमचंद की बेचैनी का कारण था– 1

उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(क) देर रात तक जगकर काम निपटाने की चिंता

(ख) अपनी रचनाओं को जन–जन तक पहुँचाने की चिंता

(ग) धन एवं यश पाने की चिंता

(घ) परिवार की आर्थिक बदहाली दूर करने की चिंता

विकल्पः–

(अ) कथन (क) और (ख) सही हैं। (ब) केवल कथन (ख) सही है।

(स) कथन (ख) और (घ) सही हैं। (द) कथन (क), (ख) और (ग) सही हैं।

2. **कथन (A)** और कारण **(R)** को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए। 1

कथन (A): प्रेमचंद अपनी सारी किताबें अपने ही प्रेस में छपवाते थे।

कथन (R): वे अधिक से अधिक अर्थोपार्जन करना चाहते थे।

(अ) कथन (A) गलत हैं, किंतु कारण (R) सही हैं?

(ब) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(स) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(द) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (R) की सही व्याख्या नहीं है।

3.. प्रेमचंद जी अपना सारा साहित्य समूचे देश में फैला देना चाहते थे ताकि ..... रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूरा कीजिए। 1

(अ) जनता में जागरूकता फैले (ब) जनता मनोरंजन करे

(स) जनता उनका यशोगान करे (द) जनता उनकी आर्थिक मदद करे

4. प्रेमचंद जी का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने के क्या कारण थे? 2

5. प्रेमचंद जी का उद्देश्य क्या था ? 2

II. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

वह आता–
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक
मुट्ठी भर दाने को–भूख मिटाने को
मुँह फटी–पुरानी झोली को फैलाता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते
और दाहिना दया–दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओंठ जब जाते,
दाता–भाग्य, विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूँगा,
अभिमन्यु, जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दुःख मैं अपने हृदय में खींच लूंगा।

1. उपर्युक्त काव्यांश में किसके विषय में बात की जा रही है। उचित विकल्प का चयन कीजिए– 1

(क) किसान के बारे में (ख) श्रमिक के बारे में

(ग) भिक्षुक के बारे में (घ) निर्धन के बारे में

विकल्पः–

(अ) कथन (क) और (ख) सही हैं। (ब) कथन (क), (ख) और (घ) सही हैं।

(स) कथन (ग) सही है। (द) कथन (ख), (ग) और (घ) सही हैं।

2. **कथन (A)** और कारण **(R)** पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए– 1

कथन (A): भिक्षुक के पेट और पीठ मिलकर दोनों एक हो गए हैं।

कारण (R): भिक्षुक किसी गंभीर बीमारी का शिकार है।

(अ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ब) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(स) कथन (A) सही है और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

(द) कथन (A) सही हैं किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. उपर्युक्त कविता में किसका वर्णन किया गया है? 1

(अ) गरीबी का (ब) भूखे कुत्ते की स्थिति का

(स भिक्षुक की दयनीय स्थिति का (द) भूखे बच्चे की स्थिति का

4. उपर्युक्त काव्यांश में किसका और कैसा वर्णन किया गया है ? 2

5. इस काव्यांश का कौन–सा अंश आपको सबसे ज़्यादा प्रभावित करता है ? 2

खंड 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

III. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1×4=4

1. हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए।
2. हालदार साहब कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकते थे। इस वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए।
3. संसार क्षण–क्षण परिवर्तित होता है इसलिए किसी भी चीज़ को पकड़कर नहीं बैठ सकते। इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए।
4. लेनिन रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। इस वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।
5. अजमेर से पहले पिता जी इंदौर में थे और वहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी। इस वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए।

IV. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1×4=4

1. अब और चला नहीं जाता। इस वाक्य का वाच्य भेद लिखिए।
2. भाववाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?
3. न्यूटन के द्वारा गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया गया। इस वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।
4. सफर का वक्त काटने के लिए उन्होंने खीरे खरीदे होंगे।' इस वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए।
5. धान के पानी–भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। किस वाच्य का उदाहरण है?

V. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए– 1×4=4

1. प्रधानाचार्य अचानक कक्षा में आ गए।
2. मैं जाड़े से कंपकंपा रहा था।
3. जब मैं घर पहुँचा, तो मेहमान सो चुके थे।
4. खीरा लज़ीज़ होता है।
5. कस्बे की नगरपालिका प्रतिवर्ष कुछ नया करती थी।

VI. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए– 1×4=4

1. प्रीति–नदी में पाऊँ न बोट्यौ, दृष्टि न रूप परागी।
2. बादल, गरजो
   घर घेर घोर गगन, धाराधर ओ।
   ललित ललित, काले घुँघराले,
3. जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन जब वह नौसिखिया था।
4. सू तौ व्याधि हमकौ लै आए।
5. उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ मधुर चांदनी रातों की।

खंड–ग (गद्य–खंड पाठ्यपुस्तक)

VII. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुई, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी स्नान को जाते–गाँव से दो मील दूर। यहाँ से नहा–धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ, किंतु एक दिन, माघ की उस दाँत किटकिटाने बाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लंग गई थी, जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था।

खेत, बगीचा, घर–सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढे, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते–गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएंगे। कमली तो बार–बार सिर से नीचे सरक जाती। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारे की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब–तब चमक ही पड़ते।

(i) बालगोबिन भगत गाँव से कितनी दूर नदी स्नान करने जाते थे?
(क) एक मील दूर (ख) गाँव के पास ही (ग) दो मील दूर (घ) चार मील दूर

(ii) वातावरण को रहस्यमयी क्यों कहा गया है?
(क) कँपकँपी सर्दी के कारण (ख) कोहरे की ओट में स्पष्ट दिखाई न देने के कारण
(ग) स्पष्ट रूप से दिखाई देने के कारण (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि रहस्यमयी वातावरण में बालगोबिन भगत क्या कर रहे थे?
(क) काली कमली ओढ़ी थी (ख) पूरब दिशा की ओर मुँह करके गा रहे थे
(ग) कुश की चटाई पर बैठे थे (घ) सभी विकल्प सही है

(iv) बालगोबिन भगत की प्रभाती कार्तिक मास से आरंभ होकर कब तक चलती थी?
(क) फागुन मास तक (ख) चैत्र मास तक (ग) कार्तिक मास तक ही (घ) इनमें से कोई नहीं

(v) 'मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था।' में 'मैं' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?
(क) पतोहू के लिए (ख) बालगोबिन भगत के लिए (ग) लेखक के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों में से किंहीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए : $3\times2=6$

(i) कैप्टन ने नेताजी की मूर्ति की कमी को दूर करने का क्या उपाय किया?
(ii) पाठ के आधार पर मन्नू भंडारी की माँ के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

(iii) पतनशील सामंती समाज झूठी शान के लिए जीता है– लखनवी अंदाज पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
(iii) लेखक संस्कृति–असंस्कृति और सभ्यता–असभ्यता के भ्रमजाल में फँसे मनुष्यों से क्या प्रश्न करता है?

खंड–ग (काव्य–खंड पाठ्यपुस्तक)

IX. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

मधुप गुनगुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी।
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गम्भीर अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास।
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य मलिन उपहास।
तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर रीती।
किन्तु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले–
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।
यह विडंबना। अरी सरलते! तेरी हँसी उडाऊँ मैं
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं

(i) गागर रीती का क्या आशय है?
(क) खाली घड़ा (ख) उपलब्धियों से रहित जीवन
(ग) दुःख से भरा जीवन (घ) रेत से भरी गगरी

(ii) मुरझाकर गिरती पत्तियों से क्या अर्थ निकलता है?
(क) पतझड़ का मौसम (ख) सूखा पड़ जाना
(ग) जीवन में खुशियाँ आना (घ) जीवन की नश्वरता

(iii) असंख्य जीवन इतिहासों का क्या हश्र होता है?
(क) प्रसिद्ध होते हैं (ख) उपहास के पात्र होते हैं (ग) पुरस्कृत होते हैं (घ) अमर हो जाते हैं

(iv) **कथन (A)** : कवि द्वारा पूरी ईमानदारी से आत्मकथा लिखने पर मित्र बुरा मान सकते हैं।
कारण (R) : कवि के मित्रों ने कई बार विश्वासघात करके उनकी खुशियाँ छीनीं हैं।
(क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(v) कवि आत्मकथा लेखन को अपने भोलेपन का मज़ाक क्यों मानता है?
(क) सपना टूट जाने के कारण (ख) लोगों के व्यवहार के कारण
(ग) अपनी कमजोरियाँ दर्शाने के कारण (घ) आत्मकथा पसंद न होने के कारण

X. निम्नलिखित प्रश्नों में से किंहीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। $3\times2=6$

(i) कवि निराला की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है।
(ii) फसल कविता के इन पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए–रूपांतर है सूरज की किरणों का सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!
(iii) संगतकार मुख्य गायक की सहायता किस प्रकार करता है?
(iv) सूरदास के पद के आधार पर लिखिए कि हारिल पक्षी के उदाहरण से गोपियाँ अपने बारे में क्या बताना चाहती है?

खंड–ग (कृतिका पूरकपाठ्यपुस्तक)

XI. निम्नलिखित प्रश्नों में से किंहीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में दीजिए : $2\times4=8$

(i) 'माता का अँचल' पाठ से हमें बाल्यजीवन की कौन–सी जानकारी प्राप्त होती है?
(ii) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' के आधार पर बताइए कि–लेखक को कौन–सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं?
(iii) 'साना–साना हाथ जोड़ि' में कहा गया है कि कटाओ पर किसी दुकान का न होना वरदान है, ऐसा क्यों? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में नवयुवकों की क्या भूमिका हो सकती है? स्पष्ट कीजिए।

खंड–घ (रचनात्मक–लेखन)

XII. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए: $1\times6=6$

(i) आजादी का अमृत महोत्सव विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
- अमृत महोत्सव के पीछे धारणा
- सरकारी – गैर–सरकारी स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ
- इससे लाभ

(ii) शारीरिक शिक्षा और योग विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
- शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
- शारीरिक शिक्षा और योग

- प्रभाव और अच्छे परिणाम

(iii) लड़का–लड़की एक समान विषय पर दिए गए संकेत बिदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

संकेत बिंदु :

- इस सोच की आवश्यकता क्यों?
- लड़कियों को बढ़ावा कैसे?
- देश–समाज पर प्रभाव, सुझाव

XIII. प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अन्तर्विद्यालय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन करवाने के लिए अनुरोध कीजिए। **5**

अथवा

आप मुदिता/उदित हैं। आपकी मौसी द्वारा लिखित कहानी–संग्रह हाल ही में प्रकाशित हुआ है, और उन्होंने उसकी प्रति आपको भेजी है। कहानियों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

XIV. दिल्ली नगर निगम सिविल लाइंस क्षेत्र, दिल्ली के आयुक्त को प्राथमिक अध्यापकों की आवश्यकता है। इस पद के लिए स्ववृत्त लिखिए। आप विकास कुमार ए 2/127, अभिनव एन्क्लेव सेक्टर–15, रोहिणी, दिल्ली के निवासी हैं। **5**

अथवा

आप जुबैर आलम/जोया मलिक हैं। हाल ही में आपने एक प्रतिष्ठित वेबसाइट से कुछ कपड़े मँगवाए थे। उन कपड़ों में कई समस्याएँ हैं पर अब यह वेबसाइट उसे वापस नहीं ले रही है। इस पूरी समस्या को स्पष्ट करते हुए उस वेबसाइट के उपभोक्ता संपर्क विभाग को लगभग 80 शब्दों में ई–मेल लिखिए।

X. पिछले दो वर्षों से आप ऑनलाइन कक्षाएँ ले रहे हैं। अत्यधिक इस्तेमाल से आपका मोबाइल फोन कभी–कभी अटक जाता है। उसे बेचने के लिए **50** शब्दों का एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

अथवा

स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों के लिए शुभकामना संदेश लिखिए।

* * * * *

PRINCE ACADEMY

PRINCE ACADEMY

PRINCE ACADEMY